

प्रेषक,

अमरेंद्र सिन्हा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी, ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़,
चम्पावत, देहरादून, चमोली, उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक/0 अगस्त, 2009

विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में जिला सैक्टर योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण हेतु लेखानुदान से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त के शासनादेश संख्या-205/XXVII(1)/2009, दिनांक 25-03-2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में उंशे विभाग हेतु जिला सैक्टर योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण हेतु अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ लेखानुदान से रु० 5.00 लाख (रु० पांच लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वहन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय विम्वन शर्मा एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि रु० लाख में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	धनराशि
1.	ऊधमसिंहनगर	3.09
2.	पिथौरागढ़	0.41
3.	चम्पावत	0.20
4.	देहरादून	1.20
5.	चमोली	0.10
	योग-	5.00

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन किया जाये।
- (2) धनराशि का व्यय जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत दुग्ध विभाग की विभिन्न विकास मर्दों में किया जायेगा।

- (3) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना प्रतिमाह की 05 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (4) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों, कय संबंधी शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
- (5) डेरी विभाग के सम्बन्धित जिले के सहायक निदेशकों द्वारा अबमुक्त धनराशि का बीजक बनाकर धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- (6) उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-796-जनजाति क्षेत्र उपयोग-00-91-ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अनुदान/ राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-148/वित्त-04/2009 दिनांक 31 जुलाई 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहगति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
प्रमुख सचिव।

संख्या-109/09(1)/xv-2/01(15)06-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. कोषाधिकारी, ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, चम्पावत, देहरादून, चमोली, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, डेरी विकास विभाग, मंगलपड़ाव, हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. सहायक निदेशक, डेरी विकास विभाग, ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, चम्पावत, देहरादून, चमोली, उत्तराखण्ड।
5. स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव को मुख्य सचिव के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
6. निजी सचिव-मा. मंत्री, डेरी को मा. मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
7. स्टाफ आफिसर-अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन/सामाज कल्याण प्रकोष्ठ।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी0बी0ओली)
संयुक्त सचिव।